

---

Shri Lalita Nirajanam

श्रीललिता नीराजनम्

Document Information

---

Text title : lalitAmbA nIrAjanam

File name : lalitAnIrAjanam.itx

Category : devii, AratI, dashamahAvidyA, lalitA, devI, saptaka

Location : doc\_devii

Transliterated by : Aaditya Kalyanaraman

Proofread by : Aaditya Kalyanaraman

Latest update : December 12, 2020

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीललिता नीराजनम्



श्रीललिता-त्रिपुर-सुन्दर्यै नमः ।

जय जय जय ललिते ।

जय जगदीश्वरि मातः श्रीसुन्दरी ललिते,  
त्वं मां पालय नित्यं विश्वेश्वरि वरदे ।

मञ्जुल मङ्गलदायिनि परमानन्द प्रदे,  
सकलमनोरथ पूरिणि मातः श्री ललिते ॥ १ जय जय जय ललिते

जय श्रीचक्रनिवासिनि कामेश्वरि त्रिपुरे,  
दीनं मामवलोकय कृपया श्रीललिते ।

शिववामाङ्क-विहारिणी मोहित भूतपते,  
कलित-कलाधरमुकुटे नेत्र त्रय-शोभे ॥ २ जय जय जय ललिते

धनुरङ्कुशरपाशैः शोभित-कर-कमले,  
शिशुं स्वकीयं पालय मातः श्रीललिते ।

अरुण-विभा-भव-भासित-भुवनेश्वरि विद्ये,  
भव-भय-भङ्गनकारिणि भवनाटकनिपुणे ॥ ३ जय जय जय ललिते

विधिहरिसुरपतिमुकुटैः वन्दितपदपद्मे ,  
नीराजनमवलोकय भगवति चितिरूपे ।

संवित्त्व-स्वरूपिणि निगमागमगीते,  
सन्तत-चिन्तित-सञ्चित्-स्वानन्दे ललिते ॥ ४ जय जय जय ललिते

बिन्दुनाद-भवभासिनि शिवशक्तिप्रथिते,  
स्पन्दसुधारस-वर्णिणि शाम्भवि शक्ति शिवे ।


नीराजनमिदममलं आरात्तिक-समये,  
भक्त्या गायति सकलं भद्रं सञ्चिनुते ॥ ५ जय जय जय ललिते

नृत्यति गायति कलयति मुदितमना मनुते,


रूपं पश्यति त्वरितं तव ललितं ललिते ।  
निरुपाधिक-कामेश्वर-कामेश्वरि ललिते,  
अरुणिम तरुणि-मण्डल मण्डित श्रीसदने ॥ ६ जय जय जय ललिते  
निष्कल-तत्त्व-प्रकाशिनि परमेश्वरि ललिते,  
दत्तात्रेयानन्दं नाथय श्रीललिते ।  
चरणसरोजे नमितं लोकय श्रीललिते,  
शरणागत-प्रतिपालिनि पालय श्रीललिते ॥ ७ जय जय जय ललिते  
इति श्रीललितानीराजनसप्तकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Aaditya Kalyanaraman

---

——  
*Shri Lalita Nirajanam*

pdf was typeset on September 16, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

